



सत्यमेव जयते

# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

9 अग्रहायण, 1940 (श०)

संख्या- 1074 राँची, शुक्रवार,

30 नवम्बर, 2018 (ई०)

#### कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

संकल्प

28 नवम्बर, 2018

**संख्या-5/आरोप-1-93/2015-2821 (HRMS)--** श्री सत्य प्रकाश, झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-852/03, गृह जिला-राँची), तत्कालीन जिला पंचायत राज पदाधिकारी, चतरा के विरुद्ध त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन, 2015 के कार्य सम्पादन में लापरवाही बरतने तथा पद का दुरुपयोग करने संबंधी आरोप सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड के पत्रांक-3854, दिनांक 18 दिसम्बर, 2015 एवं पत्रांक-3985, दिनांक 24 दिसम्बर, 2015 द्वारा उपलब्ध कराया गया।

उक्त आरोपों के लिए इनसे स्पष्टीकरण की माँग की गयी तथा इनके स्पष्टीकरण पर उपायुक्त, चतरा से मंतव्य प्राप्त किया गया। इसी बीच, उपायुक्त, चतरा के पत्रांक-298/गो०, दिनांक 5 अप्रैल, 2016 श्री प्रकाश के विरुद्ध प्रपत्र-‘क’ में आरोप गठित कर उपलब्ध कराया गया, जिसमें इनके विरुद्ध निम्नवत् आरोप प्रतिवेदित किये गये-

**आरोप सं०-1-** यदुवंशी गोरस भण्डार गोशाला, चतरा के द्वारा श्री सत्य प्रकाश जिला पंचायती राज पदाधिकारी, चतरा के विरुद्ध परिवाद दिया गया कि- त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, 2015 में अल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था के आलोक में 183952.00 रुपये का विपत्र पारित किया गया है, जिसमें VAT कटौती कर 169303.00 रुपये भुगतान होना था, लेकिन 14 लाख रुपये का चेक सं०-36221, दिनांक

31 मार्च, 2016 द्वारा निर्गत कर हस्तगत कराया गया। शेष राशि 290303/- रुपये की माँग करने पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी द्वारा कहा गया कि 2.00 लाख रुपये अवैध राशि प्रो० श्री राजकुमार यादव यदुवंशी गोरस भण्डार, चतरा से माँग की गई, जिसके लिए श्री राजकुमार यादव का दिनांक 31 मार्च, 2016 को लिखित आवेदन दिया गया जहाँ स्पष्ट रूप से राजकुमार के द्वारा मौखिक रूप से भी दो लाख रुपये लेकर आईए और शेष राशि ले जाईये कहा गया, जिस परिवाद की जाँच उप विकास आयुक्त, चतरा द्वारा किया जा रहा था, उसी समय उप विकास आयुक्त के निदेश के बाद अवशेष राशि 290303/- रुपये का चेक सं०-36202, दिनांक 02 अप्रैल, 2016 से यदुवंशी गोरस भण्डार को हस्तगत कराई गई। उप विकास आयुक्त, चतरा का जाँच प्रतिवेदन पत्रांक-366, दिनांक 02 अप्रैल, 2016 से प्राप्त है, जिसमें अवैध राशि की वसूली की शिकायत की पुष्टि की गई। आरोप सं०-2- यदुवंशी गोरस भण्डार का विपत्र 1803952/- रुपये के लिए पारित कर कोषागार से राशि की निकासी की गई है। जबकि आयकर एवं बिक्री कर कटौती के पश्चात 1690303/- रुपये के विरुद्ध 14.00 लाख का ही भुगतान चेक संख्या-362201, दिनांक 31 मार्च, 2016 से किया गया है एवं संचिका में शेष भुगतान जाँच के बाद करने की टिप्पणी आदेश अपने स्तर से पारित की गई है। यदि कटौती कर राशि का भुगतान करना आवश्यक था, तो सक्षम प्राधिकार से आदेश प्राप्त कर लेना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इससे स्पष्ट है कि अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर अवैध राशि की वसूली की मंशा से स्वीकृत राशि से कम राशि का भुगतान किया गया है। यह भी स्पष्ट है कि एक ही राशि के लिए दो चेक निर्गत किया गया है, जो जिला पंचायती राज पदाधिकारी की गलत मंशा को पुष्टि करती है।

**आरोप सं०-3-** विभिन्न विपत्रों से कोषागार से राशि की निकासी होने के बावजूद अभिश्रवों के विरुद्ध भुगतान करने से जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री सत्य प्रकाश द्वारा आनाकानी किया जा रहा है, जो भ्रष्ट आचरण को दर्शाता है। निकासी की गई अभिश्रव में- 1. निर्वाचन कार्य में लगे मजदूरों का मजदूरी भुगतान संबंधी 22 मस्टर रॉल अभिश्रव, 2. रॉयल टेन्ट हाउस का 05 अभिश्रव, धनबाद टेन्ट हाउस का 17 अभिश्रव, बंगाल टेन्ट हाउस का 75 अभिश्रव, भारत टेन्ट हाउस का 12 अभिश्रव एवं 40 वाहनों का भाड़ा भुगतान संबंधी अभिश्रव शामिल है। इन अभिश्रव के लिए विपत्र की भुगतान संबंधी फर्म/प्रोपराईटर्स को नहीं किया गया है, जो उच्चाधिकारियों को धोखे में रखना एवं फर्म/प्रोपराईटर्स से अवैध वसूली की मंशा की ओर इंगित करता है। यह कृत Prevention of Corruption Act, 1988 के तहत दण्डनीय है।

**आरोप सं०-4-** दिनांक 19 अक्टूबर, 2015 को श्री सत्य प्रकाश जिला पंचायती राज पदाधिकारी द्वारा बिना पूर्वानुमति के मुख्यालय छोड़ने के संबंध में कार्यालय पत्रांक-898/गो०, दिनांक 19 अक्टूबर, 2015 से स्पष्टीकरण पूछा गया था। यद्यपि स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ परन्तु असंतोषजनक तथ्य से परे होने के कारण चेतावनी के साथ स्पष्टीकरण से मुक्त किया गया था।

**आरोप सं०-5-** त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन, 2015 के संचालन के क्रम में तृतीय चरण के मतदान हेतु नाम निर्देशन पत्र के अंतिम प्रतिवेदन दिनांक 12 नवम्बर, 2015 तक राज्य निर्वाचन आयोग में नहीं भेजा गया था, जिसके कारण राज्य निर्वाचन आयुक्त, झारखण्ड, राँची के अर्द्ध सरकारी पत्रांक-126, दिनांक 14 नवम्बर, 2015 के द्वारा इनके ऐसे कृत्य पर असंतोष व्यक्त करते हुए इन्हें असक्षम कहते हुए जिला पंचायती राज पदाधिकारी का प्रभार किसी वरीय पदाधिकारी को सौंपने का आदेश के

आलोक में श्री सत्य प्रकाश को कार्यालय पत्रांक-1010, दिनांक 14 नवम्बर, 2015 से जिला पंचायती राज पदाधिकारी के अधिसूचित निर्वाचन कार्य से मुक्त कर दिया गया था।

**आरोप सं०-6-** दिनांक 19 दिसम्बर, 2015 से त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के मतगणना जैसे महत्वपूर्ण दिन भी श्री सत्य प्रकाश जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनुपस्थित थे। इनकी खोज की जाने पर ये अनधिकृत रूप से बिना पूर्वानुमति के मुख्यालय से अनुपस्थित पाये गये थे, जिसके कारण निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में कठिनाई उत्पन्न हुई थी। इनके इस कृत्य के संबंध में कार्यालय पत्रांक-1137, दिनांक 20 दिसम्बर, 2015 से निलंबन करते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, राँची से की गई है।

उक्त आरोपों हेतु विभागीय पत्रांक-4819, दिनांक 08 जून, 2016 द्वारा श्री प्रकाश से स्पष्टीकरण की माँग की गई है, जिसके अनुपालन में इन्होंने पत्र, दिनांक 04 जुलाई, 2016 द्वारा स्पष्टीकरण उपलब्ध कराया गया। श्री प्रकाश के स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक-6717, दिनांक 04 अगस्त, 2016 द्वारा उपायुक्त, चतरा से मंतव्य की माँग की गई है। उपायुक्त, चतरा के पत्रांक-108, दिनांक 16 जून, 2016 द्वारा मंतव्य उपलब्ध कराया गया है।

श्री प्रकाश के प्रतिवेदित आरोप, इनके स्पष्टीकरण एवं उपायुक्त, चतरा से प्राप्त मंतव्य के समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प सं०-70, दिनांक 3 जनवरी, 2017 तथा संकल्प ज्ञापांक-481, दिनांक 16 जनवरी, 2017 इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

श्री प्रकाश के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही पूर्ण कर संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-325, दिनांक 20 नवम्बर, 2017 द्वारा जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। संचालन पदाधिकारी ने श्री प्रकाश के विरुद्ध प्रतिवेदित कुल छः आरोपों में से आरोप सं०-2, 4, 5 एवं 6 को प्रमाणित पाया है।

अतः श्री प्रकाश के विरुद्ध उक्त प्रमाणित आरोपों हेतु इनपर निम्न दण्ड अधिरोपित किया जाता है-

- (i) निन्दन,
- (ii) असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि पर रोक।

Sr No.	Employee Name G.P.F. No.	Decision of the Competent authority
1	2	3
1	SATYA PRAKASH JHK/JAS/89	श्री सत्य प्रकाश, झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-852/03), तत्कालीन जिला पंचायत राज पदाधिकारी, चतरा के विरुद्ध निन्दन एवं असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि पर रोक का दंड अधिरोपित किया जाता है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**अशोक कुमार खेतान,**  
सरकार के संयुक्त सचिव।  
जीपीएफ संख्या:BHR/BAS/2972

-----